चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2.7.21	2	1-2

रोपण के बाद पौधे के देखभाल की लें जिम्मेदारीः प्रो.काम्बोज

हकृवि में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हिसार। पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को ओर अधिक बढ़ाया है। ये विचार हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधारोपण उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस अवसर पर भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी, कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. अमरजीत कालड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एसएस सिद्धपुरिया, वित नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. जयदीप पाटिल, एसबीआई मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अरोड़ा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.7.2021	4	3-4

पौधरोपण के बाद देखभाल की भी लें जिम्मेदारी : प्रो. कांबोज

एचएयू में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य।

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को ओर अधिक बढ़ाया है। वे भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधरोपण कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधरोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में इस अभियान के तहत जामून, गुलमोहर, अमलतास, अर्जुन, बकैण, शीशम, गुलाब, कनेर, बोगवेल, चांदनी, हारश्रृंगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.7.2021	2	6.8

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार : कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

देश में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर कृषि विश्वविद्यालय में वेबिनार

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने अनुसंधानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें, ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोप डाटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2.7.2021	3	2-3

'कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर वैबिनार आयोजित'

हिसार, 1 जुलाई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वैबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविवद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिगी के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्त्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवता में सुधार करें।

उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्या वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गई शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवता को सुधारने के लिए प्रदान किए गए सूचना स्त्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्या यान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि वैबिनार का उद्धेश्य भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आने वाले बेहतर कल के बारे में बताना, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मैट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.7.2021	4	1-5

एचएयू कैंपस में 6 करोड़ की लागत से बनेगा 33 केवी का नया बिजलीघर

राजगढ़ रोड के मुख्य ट्रांसफार्मर का ओवरलोड होगा कम, 14 जुलाई तक फर्म कर सकेंगे आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 6 करोड़ की लागत से 33केवी का नया बिजलीघर बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट के लिए ऑनलाइन टेंडर मांगे गए हैं। विभिन्न फर्म 14 जुलाई तक आवेदन कर सकती हैं। जैसे ही यह टेंडर फर्म को अलॉट हो जाएगा, उसे साल के अंदर प्रोजेक्ट को पूरा करना होगा।

इस बिजलीघर के बनने से राजगढ़ रोड के मुख्य ट्रांसफार्मर पर पड़ने वाले ओवरलोड को कम किया जा सकेगा। यह 33केवी का बिजलीघर विशेष तौर पर एचएयू को बिजली सप्लाई देगा साथ ही आसपास के क्षेत्रों को भी इस फीडर से जोड़ा जाएगा। ताकि राजगढ़ रोड के मुख्य ट्रांसफार्मर के लोड को कम किया जा सकें। इससे लोगों को भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटों से राहत मिलेगी।

साढ़े 12 एमवीए होगी क्षमता : एचएयू में बनने वाले 33केवी के बिजलीघर की क्षमता 12 एमवीए होगी, ताकि यह एचएयू व आसपास के क्षेत्रों की बिजली सप्लाई के लोड को झेल सके। इस 33केवी बिजलीघर के लिए बिजली निगम की ओर से 9 किलोमीटर तक केबल की लाइनें बिछाई जाएगी।

"एचएयू में बनने वाले 33केवी बिजलीघर के लिए ऑनलाइन टेंडर मांगे गए हैं, 14 जुलाई तक विभिन्न फर्में इस प्रोजेक्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। - राजेंद्र सभ्रवाल, एसई, डीएचबीवीएन, हिसार

22 साल में 15 से 38 लाख हुए उपभोक्ता

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। बिजली निगम को 22 साल पूरे हो चुके हैं। 1 जुलाई 1999 में शुरू हुए इस निगम में पहले तकनीकी सहित कई खामियां थी। लेकिन वर्तमान समय में बिजली निगम ने काफी सुधार किया है। बिजली निगम में पहले विभिन्न श्रेणियों के 15.58 लाख उपभोक्ता थे, जिनका बिजली खपत का लोड 3733.23 मैगावाट था।

वर्तमान समय में 38.22 लाख उपभोक्ता हैं, जिनका अब बिजली सप्लाई का लोड 8346.02 मैगावाट है। बिजली निगम ने 33 केवी स्तर के पहले 290 नए सब-स्टेशनों का निर्माण किया लेकिन अब बढ़कर 406 हो गई है। साथ ही 33 केवी स्तर के 272 सब-स्टेशनों की क्षमता में बढ़ोतरी भी की है, जिससे प्रणाली में 5416.90 एमवीए क्षमता की बढ़ोतरी हुई । दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की स्थापना के समय वार्षिक टर्न ओवर लगभग 940.39 करोड़ रुपये था, जो कि वर्तमान में लगभग 16102.14 करोड़ रुपये है। निगम पहले जो घाटे में चल रहा था, अब निरंतर पिछले पांच वर्षों से लाभ की स्थिति में है। निगम की शुरूआत में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के तहत आने वाले क्षेत्रों के लिए लगभग 6488.22 लाख यूनिट प्रतिमाह उपलब्ध थी, जो वर्तमान में बढ़कर प्रतिमाह 23764.60 लाख हो गई है। वर्ष 2001-2002 में ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) लॉसिस 33,86 प्रतिशत और एग्रीगेट टेक्नीकल एंड कमर्शियल (एटी एंड सी) लॉसिस 39.07 प्रतिशत थे । लेकिन अब बिजली निगम ने वर्तमान में टीएंडडी लॉसिज 14.87 प्रतिशत और एटीएंडसी लॉसिज 13.63 प्रतिशत आ गए हैं। साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 8 घंटे बिजली आपूर्ति मिलती थी, जबकि वर्तमान में 2272 गांवों को 24 घंटे और 1377 गांवों को 16 घंटे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। साथ ही इन बीते 22 सालों में बिजली निगम ने उपभोक्ताओं के लिए कई ऑनलाइन सेवाएं भी शुरू की है। उपभोक्ताओं की बिजली संबंधित शिकायतों को दर्ज करवाने के लिए टोल फ्री नम्बर 1912 व 1800-180-4334 जारी किए गए हैं।

बिजली निगम ने 290 सब स्टेशन बनाए

नए कनेक्शन के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा नए कनेक्शन जारी करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। आवेदक निगम की वेबसाइट www.dhbvn.org.in पर नए कनेक्शन, लोड बढ़वाने, लोड घटवाने जैसी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। मिस कॉल सुविधा की सेवा के तहत उपभोक्ता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से 7082102200 नंबर पर मिस कॉल दे कर एसएमएस के माध्यम से तुरंत अपना बिजली बिल प्राप्त कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2.7.2021	2	1-3

एचएयू के वीसी ने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार पर दिया जोर

कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार पर वेबिनार

भास्कर न्यूज. हिसार

एचएयू के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें एचएयू के वीसी प्रो. बीआर कम्बोज बतौर मुख्यातिथि और भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए।

मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। मुख्य वक्ता ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किए गए सूचना स्त्रोतों एवं संसाधनों के बारे में व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकतेस्वर्लू, एल्सेविएर के विजय रेड्डी, फरहा सिद्धिकी, डॉ. शुभ्रा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में बताया। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का समन्वयन नेहरु पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानु प्रताप ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग	**01.07.2021**	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण एक जुलाई से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया जाएगा। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बाग स्थापित करने के दौरान बरती जाने वाली विभिन्न सावधानियों को लेकर किसानों को जागरूक किया जाएगा। इसमें भाग लेने के इच्छूक किसान प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह के मोबाइल नंबर 94166-07750 पर संपर्क कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण में बाग लगाने से पहले बेहतर उत्पादन हासिल करने के लिए मिट्टी व पानी की जांच, मिट्टी के नमुने लेने का सही तरीका, बाग का रेखांकन, गढ्ढे खोदना, उनको भरना, खाद डालना, किस्मों का चुनाव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएंगी। इस प्रशिक्षण में प्रदेश भर से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 30 प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	01.07.2021	--	--

भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर वेबिनार आयोजित

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हो प्रकाशित : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डैली हिसार	02.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हों प्रकाशित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेवियर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि

उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था की भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं

भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर वेबिनार आयोजित

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्त्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	02.07.2021	--	--

भारतीय स्टेट बैंक के 66वें बैंक दिवस पर किया पौधारोपण

हिसार : 1 जुलाई को भारतीय स्टेट बैंक ने अपना 66वां बैंक दिवस मनाया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, हिसार की ओर से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विशवविद्यायल में पौधारौपण किया गया। बैंक की ओर से क्षेत्रीय प्रबन्धक दिनेश गुलाटी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के उपकुलपति बलदेव राज कम्बोज का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में पौधारोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु जागरुकता का संदेश दिया। बैंक की ओर से इस अवसर पर 2000 पौधों रोपण किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के वीसी बलदेव राज कम्बोज ने प्राकृतिक संसाधनों के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि समाज में जहां बढ़ती आबादी के बीच प्राकृतिक संशाधनों का दोहन कई गुणा बढ़ गया है, वहीं हमारा भी कर्त्तव्य है कि हम इन संसाधनों की कीमत समझते हुए इनके संरक्षण को महत्व दें। एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी ने बताया कि आज महामारी के इस दौर में हमें पौधों की अहमियत को समझते हुए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को सहेजने में अपना योगदान देना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण फरीदाबाद	02.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हों प्रकाशित-प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेवियर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने प्रकाशनों में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था की भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार - डॉ. आर.सी. अग्रवाल

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्त्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेश्वर्लु, एल्सेविएर के विजय रेड्डी, फरहा सिद्दिकी, डॉ. शुभा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इसके साथ ही उन्होंने स्कोपस के ऊपर लाइव डेमो भी दिया उन्होंने बताया कि एल्सेवियर स्कोपस डाटाबेस का प्रकाशक है जोकि इस स्कोपस डाटाबेस में विश्व में प्रकाशित होने वाले उच्च स्तर के सामयिक प्रकाशनों को इंडेक्स करता है। इस

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	01.07.2021	--	--

भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस पर एचएयू में किया पौधारोपण

हिसार। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज फार्म कॉलोनी में पौधारोपण करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को और अधिक बढ़ाया है। ये विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधारोपण उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस अभियान के तहत जामुन, गुलमोहर, अमलतास, अर्जुन, बकैण, शीशम, गुलाब, कनेर, बोगनवेल, चांदनी, हारश्रृंगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे।

भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी ने बताया कि बैंक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर दो हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, डॉ. एस. के. सहरावत, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. एस. एस. सिद्धपुरिया, नवीन जैन, डॉ. प्रीति मलिक, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. जयदीप पाटिल, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अरोड़ा सहित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	01.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हो प्रकाशित : कुलपति प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्या वक्ता डॉ. आर. सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्त्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोपस डेटाबेस की 5 ट्रेनिंग आयोजित की जा चुकी हैं। वेबिनार का उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आने वाले बेहतर कल के बारे में बताना, परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मैट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना था। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	01.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हो प्रकाशितः प्रो.काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 1 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एग्सेविस्टर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यअतिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यअतिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधकर्मों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो। इससे वे अपनी संस्था को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्त्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेसवर्लु, एग्सेविस्टर के विजय रेड्डी, फराह सिद्दीकी, डॉ. सुधा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एग्सेविस्टर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इसके साथ ही स्कोपस डेटाबेस के ऊपर लाइव डेमो भी दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्यजय टाइम्स	01.07.2021	--	--

भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर वेबिनार आयोजित

हांसी, 01 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/मनमोहन शर्मा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेवियर के संयुक्त तत्वाधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था की भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेश्वर्लु, एल्सेवियर के विजय रेड्डी, फरहा सिद्दिकी, डॉ. शुभ दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेवियर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इसके साथ ही स्कोपस डेटाबेस के ऊपर लाइव डेमो भी दिया उन्होंने बताया कि एल्सेवियर स्कोपस डाटाबेस का प्रकाशक है जोकि इस स्कोपस डाटाबेस में विश्व में प्रकाशित होने वाली उच्च स्तर के सामयिक प्रकाशनों को इंडेक्स करता है। इस डाटाबेस का उपयोग शोधार्थी उन से संबंधित विषय के बारे में पूर्व एवं नवीनतम उपलब्धियों के बारे में सूचना प्रदान करता है। इसका प्रयोग अनुसंधानकर्ताओं द्वारा उनके विषय के क्षेत्र में कार्यरत अन्य अनुसंधानकर्ताओं एवं संस्थानों को खोज करने के लिए किया जाता है। वे हुए शामिल इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोपस डेटाबेस की 5 ट्रेनिंग आयोजित की जा चुकी है। वेबिनार का उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आने वाले बेहतर कल के बारे में बताना, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मैट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना था। कार्यक्रम का समन्वयन नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	01.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार : प्रो. काम्बोज

भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर वेबिनार आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय

उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था की भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार - डॉ. आर.सी. अग्रवाल : भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्या वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकतेस्वर्लु, एल्सेविएर के विजय रेड्डी, फरहा सिद्धिकी, डॉ. शुभ्रा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	01.07.2021	--	--

पौधे जीवन का आधार, पौधारोपण के बाद देखभाल की लें जिम्मेदारी : वीसी

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को और अधिक बढ़ाया है। ये विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधारोपण उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की आवश्यकता के चलते दिखा दिया है कि जीवन में पौधों की कितनी आवश्यकता है। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में इस अभियान के तहत जामुन, गुलमोहर, अमलतास, अर्जुन, बकैण, शीशम, गुलाब, कनेर, बोगनवेल, चांदनी, हारश्रृंगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी ने बताया कि बैंक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर दो हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. एस.एस. सिद्धपुरिया, नवीन जैन, डॉ. प्रीति मलिक, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. जयदीप पाटिल, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अरोड़ा आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	01.07.2021	--	--

अनुसन्धानकर्ता प्रकाशनों की गुणवता में करें सुधार : कुलपति

हिसार/01 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वैबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोप्स डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/ शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था की भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. आरसी अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता परिषद् के सहायक उप निदेशक डॉ. जी वेंकतेस्वर्लु, एल्सेविएर के विजय रेड्डी, फरहा सिद्धिकी, डॉ. शुभा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में बताया। इसके साथ ही स्कोप्स डेटाबेस के ऊपर लाइव डेमो भी दियाय उन्होंने बताया कि एल्सेवियर स्कोप्स डाटविस का प्रकाशक है जोकि इस स्कोपस डाटविस में विश्व में प्रकाशित होने वाली उच्च स्तर के सामयिक प्रकाशनों को इंडैक्स करता है। इस डाटाबेस का उपयोग शोधार्थी उन से संबंधित विषय के बारे में पूर्व एवं नवीनतम अनुसंधानों के बारे में सूचना प्रदान करता है। इसका प्रयोग अनुसंधान कर्ताओं द्वारा उनके विषय के क्षेत्र में कार्यरत अन्य अनुसंधानकर्ताओं एवं संस्थानों को खोज करने के लिए दिया जाता है। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोप्स डेटाबेस की 5 ट्रेनिंग आयोजित की जा चुकी हैं। वैबीनार का उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आने वाले बेहतर कल के बारे में बताना, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोप्स मैट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना था। कार्यक्रम का समन्वयन नेहरु पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयाध्यक्षी डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानु प्रताप ने किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	01.07.2021	--	--

पौधे जीवन का आधार, पौधारोपण के बाद देखभाल की लें जिम्मेदारी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को और अधिक बढ़ाया है।

वे बतौर कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधारोपण उपरांत रहे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। खासतौर से शुरुआत के दिनों में हमें अत्यधिक देखभाल करनी चाहिए। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की आवश्यकता के चलते दिखा दिया है कि जीवन में पौधों की कितनी आवश्यकता है। पौधे पर्यावरण को हरा-भरा करके धरती की शोभा को आभूषणों के रूप में चार चांद लगाते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज फार्म कॉलोनी में पौधारोपण करते हुए।

लगाए जाएंगे दो हजार पौधे : दिनेश गुलाटी

भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी ने बताया कि बैंक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर दो हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, ओएसडी डॉ. विमला ढांडा, डॉ. अमरजीत कालड़ा, भूमि संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति भौरिया, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. जगदीश पहिल, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अरोड़ा सहित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	01.07.2021	--	--

एसबीआई स्थापना दिवस पर हकृवि फार्म में किया पौधारोपण

हिसार/01 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को ओर अधिक बढ़ाया है। ये विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में अर्जुन का पौधा लगाने के उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। खासतौर से शुरूआत के दिनों में हमें अत्याधिक देखभाल करनी चाहिए। प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की आवश्यकता के चलते दिखा दिया है कि जीवन में पौधों की कितनी आवश्यकता है। पौधे पर्यावरण को हरा-भरा करके धरती की शोभा को आभूषणों के रूप में चार चांद लगाते हैं। इसलिए हम सभी को इसे अपना नैतिक फर्ज मानते हुए प्रण लेना चाहिए कि हम प्रति वर्ष अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी उचित देखभाल करेंगे। पौधे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करते हैं। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में इस अभियान के तहत आमुन, गुलमोहर, अमलतास, अर्जुन, बकैण, शीशम, गुलाब, कनेर, बोगनवेल, चांदनी, हारश्रृंगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी ने बताया कि बैंक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर दो हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत देश हमारा	01.07.2021	--	--

अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एचएयू प्रतिबद्ध, ऑनललाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शुरू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत देश हमारा	01.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण एक जुलाई से

[illegible] चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	02.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार : प्रो. काम्बोज

ऑनलाइन वैबीनार में शामिल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

'भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार' विषय पर वैबीनार आयोजित

हिसार, 1 जुलाई (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : डॉ. आर.सी. अग्रवाल : भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेस्वर्लु, एल्सेविएर के विजय रेड्डी, फरहा सिद्दिकी, डॉ. शुभा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोपस डेटाबेस को 5 ट्रेनिंग आयोजित की जा चुकी है।

कार्यक्रम का समन्वयन नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	02.07.2021	--	--

पौधारोपण के बाद देखभाल की लें ज़िम्मेदारी : प्रो. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज फार्म कालोनी में पौधारोपण करते हुए।

हिसार, 1 जुलाई (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को और अधिक बढ़ाया है। ये विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधारोपण उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। खासतौर से शुरुआत के दिनों में हमें अत्यधिक देखभाल करनी चाहिए। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की आवश्यकता के चलते दिखा दिया है कि जीवन में पौधों की कितनी आवश्यकता है। पौधे पर्यावरण को हरा-भरा करके धरती की शोभा को आभूषणों के रूप में चार चांद लगाते हैं। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में इस

एस.बी.आई. के स्थापना दिवस पर पौधारोपण किया

अभियान के तहत जामुन, गुलमोहर, अमलतास, अर्जुन, बकैण, शीशम, गुलाब, कनेर, बोगवेल, चांदनी, हारश्रृंगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने अभियान की शुरुआत अर्जुन का पौधा लगाकर अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा, डॉ. अमरजीत कालड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एस.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. जयदीप पाटिल, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अरोड़ा सहित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग	02.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हों प्रकाशित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेवियर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं।

ऑनलाइन वेबिनार में शामिल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : डॉ. आर.सी. अग्रवाल : भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्त्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेश्वरलु, एल्सेवियर के विजय रेड्डी, फराह सिद्दिकी, डॉ. सुधा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेवियर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

ये हुए शामिल : इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोपस डेटाबेस की 5 ट्रेनिंग आयोजित की जा चुकी हैं। वेबिनार का उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आगे आने वाले कार्य के बारे में बताना, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली से नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मेट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए तकनीकियों की पहचान करना था। कार्यक्रम का समन्वयन नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजेश कुमार पटेरिया एवं सह-समन्वयक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग	02.07.2021	--	--

पौधे जीवन का आधार, पौधारोपण के बाद देखभाल की लें जिम्मेदारी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को और अधिक बढ़ाया है।

ये विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधारोपण उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। खासतौर से शुरुआत के दिनों में हमें अत्यधिक देखभाल करनी चाहिए। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैश्विक स्तर पर फैली कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन की आवश्यकता के चलते दिखा दिया है कि जीवन में पौधों की कितनी आवश्यकता है। पौधे पर्यावरण को हरा-भरा करके धरती की शोभा को आभूषणों के रूप में चार चांद लगाते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज फार्म कॉलोनी में पौधारोपण करते हुए।

लगाए जाएंगे दो हजार पौधे : दिनेश गुलाटी

भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी ने बताया कि बैंक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर दो हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा, डॉ. अमरजीत कालड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक, डॉ. राकेश आर्य, डॉ. जगदीप चाहिल, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, विम अरोड़ा सहित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण	01.07.2021	--	--

अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एचएयू प्रतिबद्ध, ऑनलाइन इंडो-यूएस अफगानिस्तान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण	01.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण एक जुलाई से

हिसार/हांसी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया जाएगा। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बाग स्थापित करने के दौरान बरती जाने वाली विभिन्न सावधानियों को लेकर किसानों को जागरूक किया जाएगा। इसमें भाग लेने के इच्छुक किसान प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह के मोबाइल नंबर 94166-07750 पर संपर्क कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण में बाग लगाने से पहले बेहतर उत्पादन हासिल करने के लिए मिट्टी व पानी की जांच, मिट्टी के नमूने लेने का सही तरीका, बाग का रेखांकन, गड्ढे खोदना, उनको भरना, खाद डालना, किस्मों का चुनाव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण में प्रदेश भर से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 30 प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	01.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हों प्रकाशित : प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज

भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर वेबिनार आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए मुख्य स्कीमों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ.

जी.वेंकटेश्वर्लु, एल्सेविएर के विजय रेड्डी, फराह सिद्दीकी, डॉ. सुधा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इसके साथ ही स्कोपस डेटाबेस के उपल लाइब्रेरी भी दिया। उन्होंने बताया कि एल्सेवियर स्कोपस डाटाबेस का प्रकाशक है जोकि इस स्कोपस डाटाबेस में विश्व में प्रकाशित होने वाली उच्च स्तर के सामयिक प्रकाशनों को इंडेक्स करता है। इस डाटाबेस का उपयोग शोधार्थी उन से संबंधित विषय के बारे में पूर्व एवं नवीनतम अनुसंधानों के बारे में सूचना प्रदान करता है। इसका प्रयोग अनुसंधान कर्ताओं द्वारा उनके विषय के क्षेत्र में कार्यरत अन्य अनुसंधानकर्ताओं एवं संस्थानों को खोज करने के लिए किया जाता है। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोपस डेटाबेस की 5 ट्रेनिंग आयोजित की जा चुकी हैं। वेबिनार का उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आने वाले बेहतर कल के बारे में बताना, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मैट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना था। कार्यक्रम का समन्वयन नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।